

**Творческая разработка: Воспитателя МАДОУ-д/с № 10 станицы Старовеличковской.**

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  | 2 |  |  |  |  |
|  |  |  | 1 |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  | 3 |  |  |
|  | 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 5 |  |  |  |  |  |  |
| 9 |  | 4 |  |  |  |  | 6 |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  | 3 |  |
|  |  | 1 |  | 2 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 5 |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | 6 |  |  |  |  |  |
|  |  | 4 |  |  |  |  |  |  |
|  | 7 |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 8 |  |  |  |  |
| 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  | 1 |  |  | 2 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  | 3 |
| 6 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | 10 |  |  |  |
|  | 8 |  |  | 4 |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | 5 |  |  |  |  |  |  |  |
| 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 5 |  | 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 2 |  | 8 |  | 3 |  |  | 4 |  |  |  |
| 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  | ~~9~~ |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

 |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **Лето**По вертикали: 1 )Без конца и края Лужа Не страшна ей злая стужа.В Луже ходят корабли,Далеко им до земли.(море)2) Раньше всех из птиц встает,Солнцу песенку поет,Все живое поднимает,Как ту птичку называют?(жаворонок)3) Что за чудо-красота!Расписные воротаПоказались на пути!В них ни въехать,Ни войти. (радуга)4) Из деревьев ранним летомВдруг снежинки запорхают,Но не радует нас это -Мы от этого чихаем.(тополь)**Весна**По вертикали:1)Наконец река проснулась,С боку на бок повернулась Затрещал, ломаясь, лёд –Значит, скоро...(ледоход)2)Снежок растаял и с полейБежит проворливый …(ручей)3)Без рук, без топорёнка Построена избёнка. (гнездо)4)Тает снежок,Ожил лужок,День прибывает.Когда это бывает?(весна)5)Всех перелетных птиц черней, Чистит пашню от червей.(грач) | По горизонтали:5) Высока и зеленаБудет скошена она.Овцы, козы и коровыЕсть всегда её готовы.(трава)6)Загремел на небе гром,Сотрясается весь домЯ зажмурила глаза.Что на улице?(гроза)7)Что выше леса,Краше света,Без огня горит?(солнце)8)Это вовсе не пчела,Нос - точёная игла,Писк его всех раздражает,Очень больно он кусает!(комар)9)Много вишни и опятВ середине лета.Я спрошу-ка у ребят:Что за месяц это?(июль)6)Сад примерил белыйцвет,Соловей поет сонет,В зелень наш оделся край –Нас теплом встречает(май)...По горизонтали:7)Из-под снега расцветает, Раньше всех Весну встречает. (подснежник)8) Я таланта не таю:Замечательно пою!Слыша песню из ветвей,Знайте, это ..(соловыей).9) Новоселье у скворцаОн ликует без конца.Чтоб у нас жил пересмешник,Смастерили мы ..(скворечник). | **Осень**По вертикали:1)Вслед за августом приходит,С листопадом хороводитИ богат он урожаем,Мы его, конечно, знаем!(сентябрь)2)Осень добрая пришла,Нам подарки принесла:Яблоки душистые,Персики пушистые,Груши золотистыеОсень принесла.(фрукты)3)Сидел на дереве.Слетел пропеллером.(лист)4)Малыши на веточках -**Зима**По вертикали:1)Чернокрылый, красногрудый И зимой найдет приют:Не боится он простуды- С первым снегомТут как тут!(снигирь)2)Без рук рисует,Без зубов кусается.(мороз)3)Всё лето стояли,Зимы ожидали.Дождались поры —Помчались с горы.(санки)4)Под ногами все куда-тоУскользает и плывет.И смешно,и страшновато:На дороге …(гололёд)5)Какой месяц год замыкает, а зиму начинает?(декабрь) | В костяных жилеточках,Растут, созревают,Их осенью срывают!(орехи)По горизонтали:5)Ветер листьями играет,их с деревьев обрывает.Всюду листики кружат -это значит …(листопад)6)Из—под крыши крышаПод дождик вышла.(зонт)7)Шапочка да ножка –Вот и весь Ерошка.(гриб)8)Вкусно, зеленое, красное, желтое, растет на дереве(яблоко)9)Без крыл летит, без ног бежит.(ветер)6)Бел, да не сахар,Нет ног, а идёт.(снег)По горизонтали:7)Есть внучка у деда, у Деда Мороза,Не Таня, не Лена и даже не Роза,Не Аля и не Шурочка… Ее зовут…(снегурочка)8)У метели есть подруга,Звать подружку эту ...(вьюга)9)Если зимнею порою Тучи небо всё закроют,И снежинки полетят –Значит, будет (Снегопад)…10)Деревянные гонцы,Словно братья-близнецы!На лыжне вдвоём всегда,Друг без друга никуда!(лыжи) |